भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1954 का उत्तर

कर्नाटक में बेलगावी-कित्तूर-धारवाड़ के बीच नई रेल लाइन

1954. श्री जगदीश शट्टर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वीकृत बेलगावी-कित्तूर-धारवाड़ की नई रेल लाइन निर्माण परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) प्रस्तावित लाइन के पूरा होने की समयसीमा क्या है; और

(ग) क्या उक्त परियोजना के कार्यान्वयन में विलंब के कारण परियोजना की अनुमानित लागत में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): कित्तूर के रास्ते धारवाड-बेलगाम (बेलगावि) नई लाइन परियोजना (73 कि.मी.) को लागत में 50:50 भागीदारी के आधार पर स्वीकृति प्रदान की गई है और कर्नाटक सरकार द्वारा निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

कर्नाटक राज्य सरकार से भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना रुकी हुई है।

<u>कर्नाटक:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	835 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	7,564 करोड़ रु. (9 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः स्थित 3,264 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण), जिनकी लागत 42,517 करोड़ रु. है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक चालू की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	2,034	421	8,794
दोहरीकरण/ बहुपथन	10	1,230	973	12,516
कुल	25	3,264	1,394	21,310

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः स्थित तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलुरू नई लाइन (167 किलोमीटर)	1,290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1,543
4	शिवानी-होसदुर्ग सड़क दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50
5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143
6	होसदुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूरू कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नसंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108

9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95
10	नेत्रावती-मंगलौर सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कनकनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकूर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
15	हुबली-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1,850

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः स्थित कुछ परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	होसपेट-हुबली-लोंडा-वास्को-द-गामा दोहरीकरण (312 किलोमीटर)	4,153
2.	होटगी-गदग दोहरीकरण (284 किलोमीटर)	2,459
3.	गिणिगेरा - रायचूर नई लाइन (165 किलोमीटर)	3,401
4.	गदग - वाडी नई लाइन (257 किलोमीटर)	2,842
5.	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 किलोमीटर)	1,649
6.	तुमकूर - रायदुर्ग नई लाइन (207 किलोमीटर)	2,496
7.	तुमकूर - दावणगेरे नई लाइन (182 किलोमीटर)	2,142
8.	कडूर - चिकमगलूर-बेलूर नई लाइन (68 किलोमीटर)	825
9.	बैयप्पनहल्ली - होसुर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	336
10.	यशवंतपुर - चन्नसंद्रा दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	314

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित कुल 7,240 किलोमीटर लंबाई के 65 सर्वेक्षण कार्य (25 नई लाइन और 40 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है: -

क्र. सं.	परियोजना	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	शिमोगा - राणिबेन्नुर नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	226	333
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन (79 किलोमीटर)	488	0	488
4	व्हाइटफील्ड-कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन-बेलूर नई लाइन (32 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	9,064 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	5,707 हेक्टेयर (63%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,357 हेक्टेयर (37%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनकी सफलता कर्नाटक राज्य सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया प्रयास और अंतिम मील रेलसंपर्क
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ

- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****